Phone 0151 2250018, 0151 2250570
e-mail : bikaneragromet@gmail.com

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि अनुसंधान केन्द्र

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय,

बीकानेर - 334 006

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

डा. नरेन्द्र कुमार पारीक
तकनीकी अधिकारी

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./17/ दिनांक 21.07.2017

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 22 जुलाई 2017 से 26 जुलाई 2017 तक

मौसमपूर्वानुमानः भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर **बीकानेर जिले** में आगामी 5 दिनों मे मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है ।

मौसमकारक		दिनांक				
		22.07.17	23.07.17	24.06.17	25.07.17	26.07.17
1.	वर्षा	**8**	**12**	**17**	**12**	**10**
2.	आसमान में बादलो की स्थिति	घने बादल	घने बादल	घने बादल	पूर्ण आच्छादित	पूर्ण आच्छादित
3.	तपमान में वृद्वि / कमी					
	अधिकतम	**36**	**35**	**34**	**34**	**33**
	न्यूनतम	**26**	**26**	**25**	**25**	**24**
4.	वायुदिशा	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी
5.	सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)					
	अधिकतम	**99**	**100**	**100**	**99**	**96**
	न्यूनतम	**34**	**35**	**36**	**38**	**39**
6.	औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**3**	**5**	**4**	**7**	**6**
7	कुलवर्षा	**59.00**				

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा , कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर **बीकानेर जिले** के किसान भाइयों को निम्नाकित सलाह दी जाती है।

- **आने वाले दिनों में दिन व रात के तापमान मे हल्की गिरावट होने, वायु की औसत गति मध्यम रहने के साथ साथ आपेक्षिक आर्द्रता के बढ़ने, आसमान में बादल छाए रहने और मध्यम वर्षा होने की संभावना है।**
- भविष्य के लिए वर्षा की प्रत्येक बूंद को बचाने का प्रयास करे। साथ ही यदि बारिश ज्यादा होती है तो फसल क्षेत्र से उचित जल निकास की व्यस्था भी करें.
- जहां मॉनसून का आगमन देरी से हो रहा है , किसान भाई खरीफ फसलों की बुवाई के लिए कम अवधि की सूखे के प्रति सहनशील क़िस्मों के बीज ही काम मे लेवे तथा अनाज वाली फसलों के स्थान पर दाल वाली फसलों को प्राथमिकता देवें।
- किसान भाई बाजरा के लिए एच.एच.बी. 67(imp), आर.एच.बी. 177, आई.सी.एम.एच. 356, मोठ के लिए आर एम ओ 257, 225, 435, 423 व 40 ग्वार की आर जी सी 936, 1003 व 1066 कम मे लेवे ।
- बुवाइ के समय बीज उपचार के बाद ही बुवाई करें। इसके लिए बाजरा व मोठ के बीज को बीज जनित रोगों की रोकथाम के लिए 3 ग्राम थाइरम व दीमक से बचाव के लिए 4 मिली लीटर क्लोरोपाइरीफॉस प्रति किलो बीज तथा मूगं के बीज को कार्बन्डेजिम 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें । ग्वार का उपचार 250 पी पी एम एग्रोमाईसिन (4 लिटर पानी में 1 ग्राम) के घोल में 2 घटें डूबोकर रखने के बाद बुवाई करे। ग्वार, मूंग व मोठ के बीजों को कवकनाशी एवं कीटनाशी से उपचार के बाद उपयुक्त जीवाणु खाद से उपचार के बाद ही छाया मे सुखाकर बुवाई करें।
- किसान भाई बाजरा की बुवाई के लिए 4, मूगं व ग्वार 16 तथा मोठ 12 से 16 किलो प्रति हैक्टर की दर से बीज काम में लेवें।
- खरपतवार एवं कीट-व्याधियों के प्रकोप के लिए नियमित रूप से खेत का भ्रमण करते रहे।
- मूँगफली की खड़ी फसल में जड़ गलन रोग की रोकथाम के लिए कार्बेण्डिज़्म नामक दवा को 2 किग्रा/है की दर से वर्षा होने के साथ या सिंचाई पानी के साथ मिट्टी में मिलकर खेत में भुरकें।
- वर्षा की संभावना हो तो खड़ी फसल मे(मूँगफली व चारे वाली फसल) किसी भी प्रकार के रसायनो के छिड़काव को स्थगित करे तथा मूँगफली मे सिंचाई न करे।
- पशुओं को खाने में अन्य पदार्थों के साथ 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण व 20 ग्राम नमक प्रति पशु के आधार पर देवे ।
- बारिश के मौसम में हरे चारे की अच्छी पैदावार लेने के लिए बाजरा व ज्वार की बिजाइ करने की तैयारी रखे। बाजरा के लिए आरबीसी 2, जायंट बाजरा आदि क़िस्मों की 10 किग्रा/है एवं ज्वार की राज चारी 1व 2 , SSG-59-3 आदि क़िस्मों की 45 किग्रा/है की दर से बिजाइ करें। संतुलित हरे चारे के लिए बाजरा व ज्वार के साथ लोबिया व ग्वार के साथ मिलाकर बुवाई करें।